मैन को भी मात देगी मशीन

अमर उजाला 21/11/10

आईआईटी की कार्यशाला में नई तकनीक पर चर्चा

कानपुर। आर्टिफिशियल लर्निंग मशीन अब प्रोडक्ट का डिजाइन भी बनाएगी। इंटेलीजेंट मशीनें किसी भी वस्तु के उत्पादन में सक्षम हैं। इससे प्रोडक्ट की गुणवत्ता बढ़ेगी। लंबाई, चौड़ाई और वजन सटीक रहेगा। अभी तक मैनुअल डिजाइन की जा रही है। इससे आकार और वजन का गणित सटीक नहीं बैठ पाता है। इन्हीं समस्याओं का हल आईआईटियन ने खोज निकाला है। प्रोग्रामिंग के जरिए ऐसी मशीन बनाई है जिसमें मैटेरियल डालकर छोड़ दें तो डिजाइन अपने आप बनकर निकल आएगी। संबंधित वस्तु का उत्पादन भी होगा। कंप्यूटर, मशीन और डेटा का आंकड़ा एक साथ जोड़ा जा चुका है।

आईआईटी की चार दिवसीय कार्यशाला बुधवार से प्रारंभ हुई। सेमुलेटेड इवैल्यूएशन एंड लर्निंग विषयक कार्यशाला का उद्घाटन निदेशक प्रोफेसर संजय गोविंद धांडे ने किया। प्रोफेसर कल्याणमय देव ने बताया कि ऐसी मशीनें बनाई जा रही हैं। जो प्रोग्रामिंग से काम करेंगी। बेहतरीन डिजाइन, उत्पाद बनाएंगी। अभी तक बनाई गईं मशीनें ज्यादा महंगी हैं। इन्हें कम दाम पर मुहैया कराने का प्रयास चल रहा है। प्रोफेसर यज्ञ नारायण ने आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क एंड अप्लीकेशन एंड आप्टीमाइजेशन की जानकारी दी। कहा कि ऐसी मशीन बनाई जा रही है। जिसका ब्रेन हो। प्रोग्रामिंग देते ही मशीन काम करना प्रारंभ कर दे। अभी तक ज्यादातर काम मैनुअल हो रहा है। जब नई तकनीकी की मशीनें आएंगी। तब किसी भी प्रोडक्ट की गुणवत्ता बढ़ाने में आसानी होगी। प्रोफेसर नरेन्द्र करमाकर, प्रोफेसर मणीन्द्र अग्रवाल और जापान से आए प्रोफेसर ओसियो फुकेडा की मौजूदगी में पैनल डिस्कसन हुआ। अप्लाइड इंडस्ट्री पर भी चर्चा की गई। कहा गया कि औद्योगिक इकाईयों से संपर्क स्थापित करके नई तकनीकी की जानकारी दी जाए। ताकि उद्यमी पहले से तैयार रहें। वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीक खरीदकर इस्तेमाल करें। दूसरी तरफ पीएचडी स्टूडेंट रहे श्रवण ने कहा कि आटोमेटिव डिवाइस बनाई जा रही है।



आईआईटी में कार्यशाला को संबोधित करते निदेशक प्रो. एसजी धांडे।

मैटेरियल से भरेगा हड्डी का गैप

कानपुर। खोपड़ी टूटने और फीमर बोन टूटने से अब लोगों को कम परेशान होना पड़ेगा। आईआईटी मद्रास के असिस्टेंट प्रोफेसर श्रवण कुमार ने ऐसा मैटेरियल बनाया है जिससे हड्डी का गैप भरा जा सकेगा। उनका कहना है कि जिस आकार का हड्डी का गैप होगा। उसी आकार का मैटेरियल बनाया जाएगा। यह मैटेरियल टीएनशी मशीन और आरपी मशीन से बनाया जाएगा।

कम वजन का एयरक्राफ्ट आएगा

कानपुर। आईआईटी कानपुर सहित दुनिया के 94 इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक कम वजन का एयरक्राफ्ट बनाने में जुटे हैं। विशेष तरह का मैटेरियल बना रहे हैं। जिससे एयरक्राफ्ट का वजन कम होगा। मजबूती बढ़ेगी और लागत घटेगी।

डि-ग्लैमराइजेशन की जरूरत

कानपुर। आईआईटी कानपुर में एकत्रित वैज्ञानिकों ने कहा कि मेडिकल, इंजीनियरिंग की पढ़ाई को डि-ग्लैमराइजेशन की जरूरत है। अब डिजाइनिंग इंजीनियरिंग, प्लंबरिंग, इलेक्ट्रीशियन का कोर्स शुरू होना चाहिए।

30 लाख सालाना पैकेज मिलेगा

कानपुर। आईआईटी का कैंपस प्लेसमेंट गुरुवार से शुरू होगा। इस बार आईआईटियन को अधिकतम 30 लाख रुपए सालाना पैकेज मिलेगा। इस आशय का एलान राष्ट्रीय, बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने किया है। आईआईटी का प्लेसमेंट मेला 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 1000 आईआईटियंस का साक्षात्कार होगा। सेलेक्शन के बाद नियुक्ति पत्र मिलेगा। आईआईटी में कैंपस प्लेसमेंट की तैयारी कर ली गई है। साक्षात्कार के लिए 50 रूम मुहैया कराए जा चुका है। स्टूडेंट प्लेसमेंट आफिस की गतिविधि भी पूरी है। पंजीकरण कराने वाले 450 यूजी (बीटेक) और 550 पीजी (एमबीए, एमसीए, एमटेक, पीएचडी) स्टूडेंट का बायोडाटा एकत्रित कर लिया गया है। निदेशक प्रो. संजय गोविंद धांडे ने बताया कि इस बार 120 राष्ट्रीय, बहुराष्ट्रीय कंपनियां आई हैं। गुरुवार को 16 कंपनियां साक्षात्कार करेंगी। 50 पीएचडी डिग्री धारकों ने भी पंजीकरण कराया है।

कैंपस में सतर्कता बढ़ाई

कानपुर। कैंपस प्लेसमेंट को देखते हुए आईआईटी में सतर्कता बढ़ा दी गई है। 200 स्टूडेंट और पांच काउंसलर हर गतिविधि पर निगाह रखे हैं।

IIT छोड़ पहुंचे बिठूर

6/12/10

PIC : I NEXT



साइंटिस्ट जिनबाओ अपने फ्रेंड के साथ.

KANPUR (5 Dec): आईआईटी कानपुर में आठवीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस में शिरकत करने आए विदेशी वैज्ञानिकों ने सोमवार को गंगा में नौकायन का मजा उठाया. जापान से आए साइंटिस्ट जिनबाओ और उनके कुछ अन्य दोस्त संडे को बिठूर पहुंच गए. सिमुलेशन तकनीक पर काम कर रहे इन साइंटिस्ट्स को गंगा की सैर खूब भायी. इतना ही नहीं वह सिद्धधाम आश्रम भी गए. ये सभी सिमुलेटेड इवल्यूशन एण्ड लर्निंग सब्जेक्ट पर आयोजित कांफ्रेंस में हिस्सा लेन आए हुए हैं.